भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1099

गुरूवार, 13 फरवरी, 2025/24 माघ, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

ओडिशा में वन्यजीव और वन पर्यटन

1099 श्रीमती सुलता देव:

श्री निरंजन बिशी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में, विशेषकर ओडिशा में, वन्यजीव और वन पर्यटन की भारी संभावना मौजूद है;

(ख) यदि हां, तो विभिन्न राज्यों में पर्यटन संभावनाओं का दोहन करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ग) वन्यजीव और वन पर्यटन के लिए ओडिशा के मयूरभंज जिले में सिमलीपाल टाइगर रिजर्व की संभावनाएं क्या है और इसे पर्यावरण-पर्यटन के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित या कार्यान्वित उपाय क्या हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग)**:** जी हां। पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से समग्र रूप से भारत का संवर्धन करता है। चल रहे कार्यकलापों के भाग के रूप में**;** ओडिशा सहित देश के वन क्षेत्रों में वन्यजीव पर्यटन का संवर्धन भी किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय भी अपनी वेबसाइट एवं सोशल मीडिया प्रचारों के माध्यम से वन्यजीव पर्यटन का नियमित रूप से संवर्धन करता है।

देश में इको पर्यटन एवं वन्यजीव पर्यटन के विकास को गति प्रदान करने के उद्देश्य से**,** पर्यटन मंत्रालय ने इको पर्यटन के विकास के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनिति तैयार की है, जिसमें निम्नलिखित कार्यनीतिक स्तंभों की पहचान की गई है:

i. राज्य का मूल्यांकन और रैंकिंग
ii. इको पर्यटन के लिए राज्य की कार्यनीति
iii. आईईसी**,** क्षमता निर्माण और प्रमाणन
iv. विपणन और संवर्धन

v. गंतव्य और उत्पाद विकास
vi. सार्वजनिक-निजी और सामुदायिक साझेदारी
vii. शासन और संस्थागत ढांचा

पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत विकास के लिए वन्यजीव एवं इको परिपथ सहित विषयगत परिपथों की पहचान की हैं। इन परिपथों में देश के राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य एवं संरक्षित क्षेत्र शामिल हैं। केन्द्रीय वित्तीय सहायता दिशा-निर्देशों के अनुसार तथा राज्य सरकारों एवं संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्राप्त प्रस्तावों/विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के आधार पर प्रदान की जा रही है।

विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में स्वदेश दर्शन योजना के इको एवं वन्यजीव परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

*****

अनुबंध

श्रीमती सुलता देव और श्री निरंजन बिशी द्वारा ओडिशा में वन्यजीव और वन पर्यटन के संबंध में दिनांक 13.02.2025 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 1099 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना के इको एवं वन्यजीव परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची निम्नानुसार है:-

वन्यजीव परिपथ **(करोड़ रु. में)**

क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**जारी राशि***
1.	असम	2015-16	मानस - प्रोबितोरा - नामेरी - काजीरंगा - डिब्रू - सैखोवा का विकास	94.68	89.94
2.	मध्य प्रदेश	2015-16	पन्ना - मुकुंदपुर - संजय - डुबरी - बांधवगढ़ - कान्हा - मुक्की - पेंच में वन्यजीव परिपथ का विकास	92.10	86.31

* नई वित्तीय प्रक्रिया के अनुसार सीएनए को जारी की गई राशि शामिल है।

इको परिपथ **(करोड़ रु. में)**

क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**जारी राशि***
1.	झारखंड	2018-19	इको पर्यटन परिपथ: डलमा - बेतला नेशनल पार्क - मिरचैया - नेतरहाट का विकास	30.44	28.04
2.	केरल	2015-16	पथ्थनमथिट्टा - गावी - वागामोन - थेक्कडी का विकास	64.08	64.08
3.	मध्य प्रदेश	2017-18	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध - ओंकारेश्वर बांध - इंदिरा सागर बांध - तवा बांध - बरगी बांध - भेड़ा घाट - बाणसागर बांध - केन नदी का विकास	93.76	93.59
4.	मिजोरम	इको परिपथ	इको-एडवेंचर परिपथ आइजोल - रॉपुइचिप - खवफाप - लेंगपुई -	66.37	53.09

		2016-17	चटलांग - सकावर्मुइटुएटलांग - मुथी - बेरतलाविंग - तुइरियल एयरफील्ड - हमुइफांग का विकास		
5.	तेलंगाना	इको परिपथ 2015-16	महबूबनगर जिले में इको पर्यटन परिपथ का विकास	91.62	91.25
6.	उत्तराखंड	इको परिपथ 2015-16	नए गंतव्य - जिला टिहरी के रूप में टिहरी झील एवं आसपास के विकास के लिए इको-पर्यटन, साहसिक खेल और संबद्ध पर्यटन संबंधी अवसंरचना का एकीकृत विकास	69.17	69.17

* नई वित्तीय प्रक्रिया के अनुसार सीएनए को जारी की गई राशि शामिल है।

*****